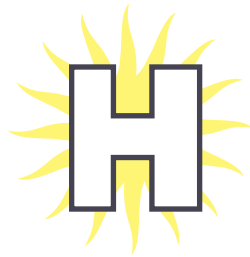




वार्षिक विवरणी
2020-21
Annual Report



भारतीय
indian handicrafts
हस्तशिल्प
continuing tradition



अध्यक्ष

शांतमनु, भा.प्र.सं.
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Shantmanu, I.A.S.
Development Commissioner (Handicrafts)



भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली-110 066
Government of India
Ministry of Textiles
West Block-7, R.K. Puram,
New Delhi-110 066

दिनांक: - 29 नवंबर, 2021

अध्यक्ष, आईआईसीटी के डेस्क से संशोधित संदेश

मुझे वर्ष 2020-21 के लिए आईआईसीटी के प्रदर्शन और उपलब्धि को देखकर प्रसन्नता हो रही है। इस अवधि के दौरान संस्थान द्वारा किए गए प्रयास काफी संतोषजनक रहे हैं।

संस्थान ने प्रतिष्ठित परियोजनाओं के अंतर्गत, एलईडी आधारित सौर प्रकाश वितरण और कारीगरों को करघा वितरण, कालीन उद्योग के प्रशिक्षित बुनकरों और कारीगरों को सुविधाएं प्रदान किया है।

संस्थान सभी विभागों में प्रामाणिक विश्वसनीय तरीके से सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जैसा कि एनएबीएल से आईआईसीटी प्रयोगशालाओं और टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट (मैनचेस्टर) से बी.टेक पाठ्यक्रम की निरंतर मान्यता से स्पष्ट है। इससे आईआईसीटी की अकादमिक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। एनबीए द्वारा बी.टेक पाठ्यक्रम का प्रत्यायन प्रक्रियाधीन है, कोविड-19 के कारण विलंबित है और मैं प्रत्यायन के प्रयासों में सभी सफलता की कामना करता हूं।

यह उल्लेख करना उचित होगा कि आईआईसीटी की परीक्षण प्रयोगशालाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपग्रेड करने के लिए एक परियोजना को मंजूरी दी गई है। इससे निश्चित रूप से कालीन उद्योग के साथ-साथ इससे जुड़े उद्योग को भी काफी हद तक लाभ होगा।

संस्थान के अध्यक्ष के रूप में, मैं संस्थान के सर्वांगीण विकास की कामना करता हूं और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आईआईसीटी टीम के प्रयासों के लिए सभी समर्थन प्रदान करता हूं।

शांतमनु
(शांतमनु)

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं
अध्यक्ष, आई.आई.सी.टी.



उपाध्यक्ष



सोहन कुमार झा (आई.ओ.एफ.एस.)
Sohan Kr. Jha (I.O.F.S.)



वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प)
कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार,
पश्चिमी खण्ड-७, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली-११० ०६६
Sr. Director (Handicrafts)
Office of the Development Commissioner (Handicrafts)
Ministry of Textiles, Government of India.
West Block-7, R. K. Puram, New Delhi-110 066
Phone : 26178640 Fax No. : 26163085
Website : <http://handicrafts.nic.in>

दिनांक: -29 नवंबर, 2021

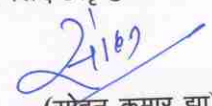
उपाध्यक्ष, आई०आई०सी०टी० के डेस्क से संशोधित संदेश

मैं वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट में दर्शाए गए अनुसार अपने सभी चार विभागों में आईआईसीटी के संतोषजनक प्रदर्शन से प्रसन्न हूँ।

यह भी गर्व की बात है कि हितधारकों ने इसके पोर्टफोलियो के उपयोग को लाभप्रद रूप से खोजा है।

आई.आई.सी.टी. ने कोविड-19 स्थिति में भी कालीन और उसके संबद्ध उद्योग के लाभ के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सराहनीय प्रयास किए हैं। अधिकांश छात्रों को मराल ओवरसीज, अचल अमित एंड कंपनी, ओबेटी, डोनियर वापी, कुशमगर वापी, ट्राइडेंट आदि जैसी प्रसिद्ध कंपनियों में रखा गया है। अन्य विभागों में भी, आईआईसीटी सक्रिय और उद्योग के अनुकूल है और इसलिए बधाई के पात्र हैं।

मैं यह भी चाहता हूँ कि आईआईसीटी इंटरनेशनल सेंटर ऑफ लर्निंग बनने के लिए उत्कृष्टता जारी रखे।


(सोहन कुमार झा)
वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प) एवं
उपाध्यक्ष, आई.आई.सी.टी.

निदेशक



निदेशक
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),
वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अधीन
अ.क.प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध एवं
आभातशिप, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

Director,
Indian Institute of Carpet Technology
Under the aegis of the
Development Commissioner (Handicrafts),
Ministry of Textiles, Govt. of India
Affiliated with A. K. Technical University
& Approved by AICTE, Govt. of India



प्रो० (डा०) आलोक कुमार, निदेशक
Prof. (Dr.) Alok Kumar, Director

संदेश.....



निदेशक के डेस्क से संदेश

यह काफी हर्ष एवं गौरव का विषय है कि मैं आई०आई०सी०टी० भदोही का वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत कर रहा हूँ। कोविड महामारी के बावजूद संस्था प्रगति के राह पर अग्रसर है। मानव संसाधन विकास (एच०आर०डी०), डिजाइन निर्माण एवं विकास (डी०सी०डी०), अनुसंधान एवं विकास (आर०एन०डी०) और तकनीकी सेवा से उद्योग जैसे सभी विभागों में संस्थान का प्रदर्शन संतोषजनक रहा।

कोविड महामारी के बावजूद संस्था के अंतिम वर्ष के सभी छात्रों को ट्राइडेंट, ओ०बी०टी० इत्यादि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी मिल गयी है। संस्था के कालीन प्रयोगशालाओं के उन्नयन हेतु वस्त्र विभाग, भारत सरकार द्वारा धन आबंटित कर दी गयी है। इसके कारण संस्था में इको टेस्टिंग लैब की स्थापना हो पायेगी। इससे कालीन निर्यातक लाभान्वित होंगे और प्रतिबन्धित एजो डाई, हैवी मेटल इत्यादि का टेस्टिंग संस्था में सम्भव हो पायेगा।

मैं बहुत हर्ष के साथ सूचित कर रहा हूँ कि संस्था में निर्बाध विद्युत की व्यवस्था कर दी गयी है। इससे जेनसेट से होने वाले खर्च को बचाया जा सकता है।

मैं विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष आई०आई०सी०टी०, उपाध्यक्ष, कार्यकारी समिति के अन्य सदस्यों, उ० प्र० सरकार, स्थानीय प्रशासन, डा. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, अ. भा. त. शि. प. के सहयोग के लिए आभारी हूँ। सी. ई. पी. सी., अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ, आ. सी. एम. ई. ए., जयपुर, यूपिया वाराणसी, ए. आई. सी. इ. ए. मिर्जापुर तथा एसिस्टा भदोही से प्राप्त सहयोग भी सराहनीय हैं।

आई०आई०सी०टी० के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों की प्रतिबद्धता भी उल्लेखनीय रही है और मुझे आशा है कि अनुशासन और प्रदर्शन के क्षेत्र में मानकों को बनाये रखने के लिये इसे जारी रखा जायेगा।

प्रो० (डा०) आलोक कुमार
निदेशक एवं सदस्य सचिव

विषय सूची : Contents

	पृष्ठ संख्या	Page Number	
भा0का0प्रौ0सं0: एक दृष्टि में	01	44	IICT- At A Glance
दृष्टि, मिशन एवं गुणवत्तानीति	02	45	Vision, Mission and Quality Policy
संगठनात्मक ढांचा	03	46	Organizational Structure
कार्यकारिणी समिति	04	47	Executive Committee of IICT
अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची	05	48	Officers/ Employees List
संगोष्ठी/सहभागिता/कार्यशालाएं /सम्मेलन/प्रकाशन	06	49	Seminar, Participation, Workshops, Conferences, Publication
संस्थान के संविभाग	07-14	50-57	Institute's portfolio
परियोजनाएँ	15	58	Projects
प्लेसमेंट अपडेट	16	59	Placement Updates
महत्वपूर्ण आयोजन	17-18	60-61	Important Events
संस्थान में पधारे आगन्तुक	19-20	62-63	Visits to the institute
लेखा परीक्षित विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट 2020-21	22-39	64-81	Audited Statement of Accounts and Auditor's Report 2020-21



वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आई०आई०सी०टी०) की स्थापना सन् 1998 में 'संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अन्तर्गत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत कराकर की गयी।

संस्थान ने 2001 में 20 सीटों के साथ बी० टेक० पाठ्यक्रम संचालित कर अपना कार्य प्रारम्भ किया, जो कि अब 60 सीटों हो चुकी है। आई०आई०सी०टी० सम्पूर्ण एशिया में अपने प्रकार का एकमात्र संस्थान है। आई०आई०सी०टी० की स्थापना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कालीन एवं संबंधित उद्योगों को सभी अपेक्षित तकनीकी योगदान प्रदान करने हेतु की गई है। संस्थान ने छात्रों द्वारा उद्योग जगत की लम्बे अवधि से चली आ रही तकनीकी विशेषज्ञों की मांग पूरा करने का हर सम्भव प्रयास किया है। संस्थान उद्योगों की अपेक्षित आवश्यकतानुसार, प्राप्त अनुभव के अनुरूप, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्थान से निकले अन्य प्रशिक्षित छात्रों ने भी उद्योग जगत में अहम भूमिका निभाते हुये उचित स्थान बनाया है। संस्थान की प्रयोगशालायें "राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड" द्वारा प्रमाणित हैं। संस्थान के परीक्षण प्रमाण पत्र की मान्यता विश्व के तमाम देशों में है। संस्थान का बी० टेक० पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एवं डा० ए. पी. जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ से सम्बन्ध है।

परिसर एवं सुविधाएँ

आई०आई०सी०टी० विश्व में भारत के कालीन नगरी के नाम से प्रसिद्ध भदोही में स्थापित है। भारत सरकार ने भदोही एवं उसके सन्निकट जिलों के प्रसिद्ध कालीन क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना उन्हें हर सम्भव तकनीकी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की है। भदोही पावन नगरी वाराणसी से लगभग 45 किलोमीटर तथा प्रयाग नगर इलाहाबाद से लगभग 75 किलोमीटर और मीरजापुर से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। आई०आई०सी०टी० परिसर भदोही रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किमी की दूरी पर भदोही कस्बे के वाह्यांचल में मुख्य सड़क, चौरी रोड, पर स्थित है। परिसर पूर्णतया प्रदूषण रहित एवं अध्ययन और शोध के लिए एक शांतिमय वातावरण में है।

संस्थान परिसर 10 एकड़ से अधिक भू क्षेत्र पर फैला हुआ है, जिसके सुरुचिपूर्ण कलात्मक प्रशासनिक भवन में प्रशिक्षण कक्ष, प्रयोगशालायें, सम्मेलन कक्ष, पुस्तकालय, परिकल्पकक्ष, कार्यशाला, संगणक कक्ष, अध्यापक कक्ष तथा संग्रहालय स्थित हैं। परिसर में ही छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु खुले वातावरण में रंगशाला, खेलकूद के मैदान, 24 घण्टे बिजली व जेनरेटर, गहरी बोरेल युक्त जलापूर्ति प्रणाली सहित सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है। संस्थान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भदोही के पिपरिस नामक स्थान पर 16.5 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर ली गयी है। जिसमें कार्यशाला शेड, डोरमेट्री और स्टाफ क्वार्टर के अलावा प्रशिक्षण केन्द्र जैसी कुठ बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

दृष्टि

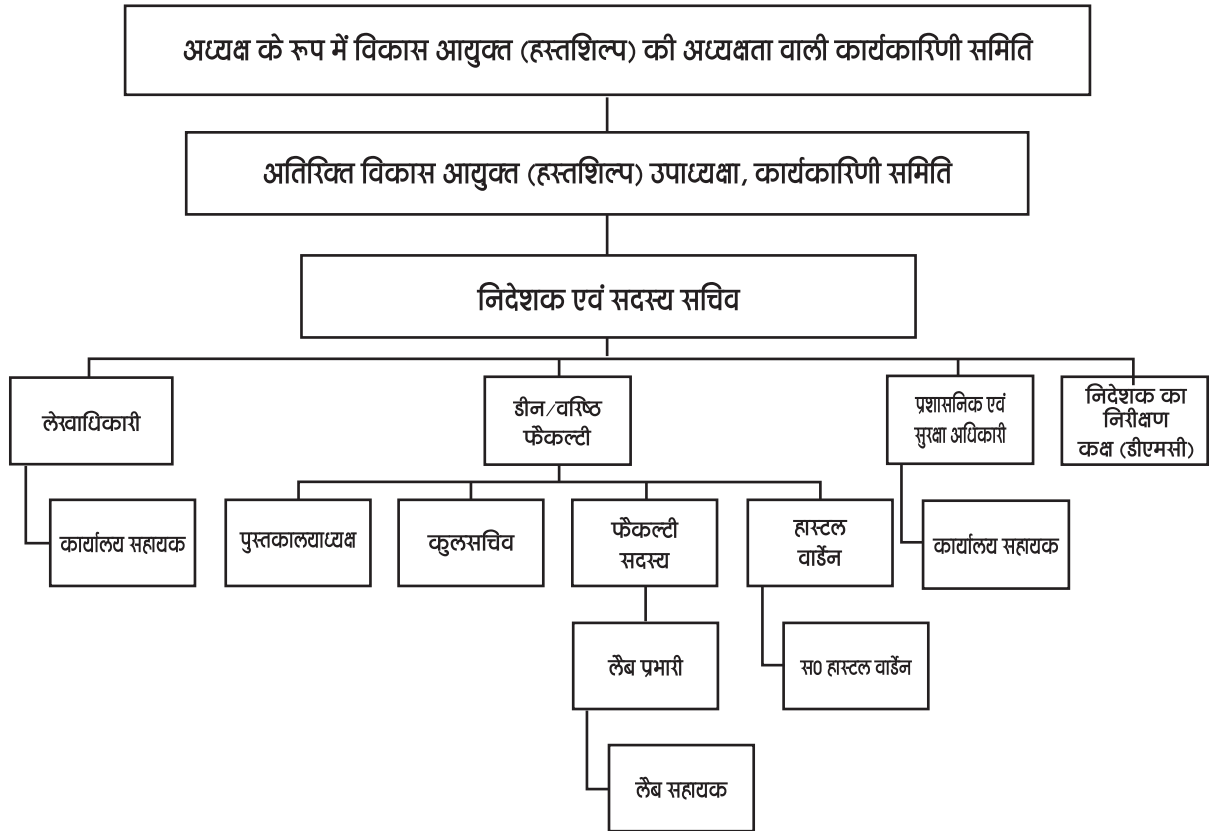
- कालीन, वस्त्र एवं तकनीकी शिक्षा के प्रासंगिक क्षेत्रों को सहायता देने, एवं क्षेत्र के विकास में योगदान कर संस्थान को उत्कृष्टता का केंद्र बनाना।

मिशन

- कालीन, वस्त्र और तकनीकी शिक्षा के प्रासंगिक क्षेत्रों में सक्षम, ज्ञान के आधार पर मानव संसाधन को उपलब्ध कराना।
- कालीन, वस्त्र और विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना।
- डिजाइन निर्माण और प्रयोगशाला परीक्षण के लिए कालीन और संबंधित उद्योगों को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- कालीन और संबंधित क्षेत्रों में उद्यमियों का विकास करना।

गुणवत्ता नीति

- छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना जो उन्हें हितधारकों की प्रत्याशित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लक्षित करे।
- उद्योग और अन्य सभी हितधारकों को सभी विभागों में समय पर और संतोषजनक सेवाएं प्रदान करना।
- मानकों की आवश्यकताओं के अनुपालन के माध्यम से दिन-प्रतिदिन गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना



1. श्री शान्तमनु, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष, आई. आई. सी. टी., कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर.के. पुरम्, नई दिल्ली-110066.
2. उपाध्यक्ष, आई0आई0सी0टी0, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर.के. पुरम्, नई दिल्ली-110066.
3. भूतपूर्व सचिव, लघु इकाई उद्योग एवं निर्यात संवर्धन, उ.प्र. सरकार, चौथा तल, सचिवालय, लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी), लखनऊ -226001 या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
4. निदेशक (वित्त), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार। उद्योग भवन, नई दिल्ली या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
5. विभागीय आयुक्त, विंध्याचल मंडल, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश।
6. जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर- भदोही, उत्तर प्रदेश।
7. अध्यक्ष/कार्यकारी/निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, द्वितीय तल, राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-1
8. अध्यक्ष, अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ, मर्यादपट्टी, भदोही।
9. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र (एनडीसी) (वस्त्र मंत्रालय द्वारा स्थापित) हाल नं. 1, (तीसरा तल), राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001.
10. विभाग प्रमुख, वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी, हौज खास, नई दिल्ली।
11. प्रो. एस. पी. बोरकर डीन, (प्रशासन), वस्त्र निर्माता विभाग, वी जे टी आई, माटुंगा, मुम्बई
12. डा. राजेश कुमार, प्रोफेसर, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग डिविजन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आई. आई. टी. (काशी हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी-5, उ.प्र. भारत।
13. मि0वाई के राय, मे0 काका ओवरसीज लि0, हरियांव, ज्ञानपुर रोड, भदोही-221401।
14. अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अमातशिव), नई दिल्ली या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।।
15. उपकुलपति, डा. एपीजे एके टी यू, लखनऊ, या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।।
16. वरिष्ठ अतिरिक्त निदेशक/निदेशक, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर.के. पुरम्, नई दिल्ली-66.
17. सीनियर फौकल्टी/डीन/रजिस्ट्रार, आई आई सी टी-निदेशक द्वारा नामांकित।
18. प्रो0 आलोक कुमार, निदेशक, आई आई सी टी-भदोही-सदस्य सचिव

वर्ष के दौरान, कार्यकारिणी समिति की सम्पन्न बैठकें

कार्यकारिणी समिति बैठक	वार्षिक सामान्य बैठक
64 वीं कार्यकारिणी समिति बैठक दि. 02.12. 2020 नई दिल्ली में	19 वीं वार्षिक सामान्य बैठक दि. 02.12. 2020 नई दिल्ली में

31 मार्च 2021 तक की सभी अधिकारी व कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद	योग्यता
1.	प्रो0 (डा0) आलोक कुमार	निदेशक एवं सदस्य सचिव	बी.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी.(आई आई टी. दिल्ली)
फैकल्टी			
2.	प्रो0 (डा0) सनत कुमार पाल	प्रोफेसर	बी.टेक., एम.टेक., एवं पी.एच.डी.(एम एस यू-चंडेदरा)
3.	डा0 आर0 कर्माकर	एसोसिएट प्रोफेसर	बी.एफ.ए. एम.ए.(पेंटिंग) पी.एच.डी.(पूर्वांचल यूनिवर्सिटी-जौनपुर)
4.	डा0 आर.के.मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी.(एपीजेएकेटीयू लखनऊ)
5.	डा0 एस.के.पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर	एम सी ए, एम टेक (सीएस), एम बी ए., पी.एच.डी.(ए पी एस यू-रीवां)
7.	डा0 बेटी दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर	बी.एस.सी (टेक) पी.एच.डी. (आई आई टी.-बी.एच.यू)
8.	डा0 अणु मिश्र	सहायक प्रोफेसर,	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी. (आई आई टी. दिल्ली)
9.	डा0 श्रवण कुमार गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,	बी.टेक., एम.टेक., पी.एच.डी. (एपीजेएकेटीयू लखनऊ)
10.	डा0 मोमीता बेरा	सहायक प्रोफेसर,	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी. (आई आई टी. दिल्ली)
11.	डा0 अतानु मन्ना	सहायक प्रोफेसर,	पी.एच.डी. (आई आई टी. खड़गपुर)
12.	डा0 एच एस मोहापात्रा	सहायक प्रोफेसर	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी. (एन.आई.टी. जालंधर)
12.	डा0 जयंत देशपांडे	पुस्तकालयाध्यक्ष	एम.कॉम., एम.लिब., पी.जी.डी.सी.एस.सी., पी.एच.डी. (सी.एम.जे. विश्वविद्यालय - मेघालय)
ईकाइ प्रभारी			
13.	श्री बी. सी. रे	कार्यशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईंजी.), एम एच आर एम, एम ए, (पब्लिक एडमिनि.) एम आई ई, (एपीजेएकेटीयू लखनऊ)
14.	श्री चंद्र श्रेखर वाजपेयी	डिजाईन प्रयोगशाला प्रभारी	बी.एफ.ए. एम.एफ.ए. (टेक्सटाइल डिजाइन)(इ.क.सं-का.हि.वि.वि)
15.	श्री दीपांकर जाना	रसायन प्रयोगशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईंजी.), (आइकेजेपीटीयू-पंजाब)
16.	श्री अनुपम अग्रवाल	भौतिकी प्रयोगशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईंजी.), (आइकेजेपीटीयू-पंजाब)
प्रयोगशाला सहायक			
17.	श्री जयहिन्द चौहान	प्रयोगशाला सहायक	टेक्सटाइल प्रोसेसिंग टेक्नालाजी मे डिप्लोमा
18.	श्री अमिताभ चटर्जी	प्रयोगशाला सहायक	मेकेनिकल इंजिनियरिंग मे डिप्लोमा
19.	श्रीमती प्रीती चौरसिया	प्रयोगशाला सहायक	हेन्डलूम टेक्नालॉजी में डिप्लोमा
20.	श्री गोविन्द यादव	प्रयोगशाला सहायक	बी.टेक.
21.	श्री दर्पण सिंह	कम्प्यूटरलैब सहायक	एम.सी.ए., एम टेक (सी एस. ई)
प्रशासनिक कर्मचारी			
22.	श्री सिद्धार्थ गुक्ला	प्रशा. एवं सुरक्षाधिकारी	बी.टेक.(सिविल इंजिनियरिंग)
23.	श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी	लेखाधिकारी	एम. कॉम.
24.	श्री उमाकान्त श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक	एम.बी.ए.(एच.आर.एम.)
25.	मो0 वसीम अंसारी	पुस्तकालय सहायक	एम.बी.ए.(एच.आर.एम.)
अन्य कर्मचारी			
27.	श्री जगदीश	अकुशल श्रमिक	इन्टरमीडिएट
27.	श्री विजय कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रिक टेक्नीशियन	आई टी आई (इलेक्ट्रिकल)

1- डा0 आलोक कुमार, निदेशक

शोधपत्र:

- ◆ निडिल पंचिंग मानको का पॉलीपाइरोल कोटेड नान-वूवेन कम्पोसिटस के हीट जनरेशन हेतु निर्माण पर प्रभाव ।
- ◆ टरनेरी मैटल आक्सीहाईड्राक्साइड आधारित फ्लेक्सिबल सुपर कैपिसिटर्स के फेब्रिकेशन हेतु नैनो-आन-माइक्रो प्रक्रिया: जर्नल आफ इण्डस्ट्रियल टैक्सटाइल्स : प्रगति वाजपेयी, अलोक कुमार : प्रकाशन हेतु स्वीकृत ।

2. डा0 सुरेश कुमार पाण्डेय, एसोसिएट प्रोफेसर

जर्नल प्रकाशन

भारतीय कालीन उद्योग में कोविड- प्रभाव एवं चुनौतियाँ : विन्ध्य भारती, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, आई एस एस एन 0976-9986 न0 वाल्यूम I-II 2020-21

3. डा0 जयन्त देशपाण्डे, लाइब्रेरियन

विविध ई- कार्यशाला तथा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी आफ इण्डिया पर जागरूकता प्रोग्राम, बौकि सम्पदा अधिकार इन डिजिटल इरा

4. डा0 अतानु मन्ना, सहायक प्रोफेसर

1. पुरस्कार:

VDGOOD प्रोफेशनल एसोसिएशन की ओर से यंग साइंटिस्ट अवार्ड (2020)

2. अनुसंधान प्रकाशन:

ए मन्ना, न्यू हार्डी-टाइप इंटीग्रल असमानताएं, एक्टा साइंस। गणित। (सेजेड), 86 (3-4), 467-491, 2020 ।

3. संगोष्ठी(सम्मेलन)संगोष्ठी में भाग लिया:

- (i) युवा गणितज्ञों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, गणित संस्थान, NAS यूक्रेन, जून 3-5, 2021 वार्ता का शीर्षक: कुछ हार्डी-प्रकार की अभिन्न असमानताओं के लिए वाकर का दृष्टिकोण
- (ii) फैंकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, यूजीसी-एचआरडीसी, बीएचयू, 26 फरवरी - 25 मार्च, 2021, वार्ता का शीर्षक: वैदिक युग का गणित - इतिहास और अनुप्रयोग

4. कार्यशाला में भाग लिया:

- (i) उन्नत कार्यात्मक विश्लेषण और अनुप्रयोग, IIT हैदराबाद और NISER भुवनेश्वर, दिसंबर 16-24, 2020
- (ii) मैट्रिक्स विश्लेषण और उसके अनुप्रयोग, एनआईटी जालंधर, 23-27 सितंबर, 2020
- (iii) एनबीए प्रत्यायन और परिणाम आधारित शिक्षा, यूपीआईडी, एकेटीयू नोएडा परिसर, 29-30 जनवरी, 2020 ।

5. पीजी-थीसिस का मूल्यांकन:

एमएससी गणित निबंध (1 नंबर), रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, बेलूर, 2021 आदि एवं नेशनल सेमिनार (वेब) आन प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली आदि में सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया ।

आई आई सी टी, अपने चार विभागों के माध्यम से कार्य कर रहा है :-

1. एच आर डी (मानव संसाधन विकास)
2. डीसीडी (डिजाइन निर्माण और विकास)
3. आर एंड डी (अनुसंधान और विकास)
4. टी एस आई (उद्योग को तकनीकी सहायता)

1- एच आर डी

(मानव संसाधन एवं विकास),

IICCT PORTFOLIO

कालीन और वस्त्र प्रौद्योगिकी (सी टी टी) में बी. टेक पाठ्यक्रम :

वर्ष 2001 में शुरू किया गया। इसके बाद, कार्पेट टेक्नोलॉजी (एसीटी) / हेम टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी (एच टी टी) / टेक्सटाइल डिजाइन टेक्नोलॉजी (टी डी टी) में एडवांस में विशेषज्ञता भी बी टेक में एकीकृत कर दी गई है। सी टी टी में नियत अनुमोदन के साथ एपीजे.के. तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ और प्रत्यायन संस्थान, मैन्चेस्टर, यू.के. द्वारा संस्थान को विश्वविद्यालय के दो बार स्टार प्रदर्शन करने वाले संस्थान से सम्मानित किया गया है।

अब तक 700 छात्रों ने संस्थान से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और पूरे भारत और विदेशों में कालीन और कपड़ा उद्योगों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कई छात्रों ने आई आई टी, एन आई टी, आई एस एम, आई आई एम व निफ्ट जैसे संस्थानों में उच्च अध्ययन का विकल्प चुना है।

बी टेक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। कई छात्रों को उनकी उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है। उनका शैक्षणिक प्रदर्शन नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है :

यूनिवर्सिटी के टेक्सटाइल ग्रुप के टापर छात्र

उत्तीर्ण होने का वर्ष	छात्र का नाम स्वर्ण पदक	छात्र का नाम रजत पदक	छात्र का नाम कांस्य पदक
2010	अंकित कुमार भगत
2011	निशा कुमारी	पातंजल कुमार	अनुपम अग्रवाल
2014	सादिया मक्सूद
2015	आमरीन फातिमा	गोविन्द यादव
2018	प्रिया सिंह	शिवांगी शुक्ला
2019	गौरव सुनेजा
2020	पल्लवी प्रिया

परीक्षा परिणाम और प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष 2020 - 21 के दौरान, 16 वें बैच (2016-20) के 45 छात्रों ने बी. टेक. परीक्षा पास की और सफलतापूर्वक स्थान प्राप्त किया व वित्तीय वर्ष 2020 - 21 के दौरान, 17 वें बैच (2017-21) के 45 छात्रों ने परीक्षा पास की और सफलतापूर्वक कार्य में स्थापित हुए।

सातवें सेमेस्टर में, 45 छात्र परीक्षा में शामिल हुए।

पाँचवें सेमेस्टर के 35 छात्रों को चौथे वर्ष (छठे सेमेस्टर) के लिए प्रोन्नत किया गया।

तृतीय सेमेस्टर के 57 छात्रों को तीसरे वर्ष (चौथे सेमेस्टर) में प्रोन्नत किया गया था।

और 62 नए छात्रों को प्रथम वर्ष में प्रवेश मिला।

बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश

बी. टेक. प्रोग्राम में इंटेक 66 है, (+अतिरिक्त 03 सीट ई डब्ल्यू एस तथा 03 सीट टी एफ डब्ल्यू)। इसके लिए, यह दाखिला JoSAA (ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथारिटी) / सीएसएबी(सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड) /यूपीएसईई के माध्यम से किया जाता है। जिसमें से 62 उम्मीदवारों ने उक्त आवंटन से प्रवेश लिया था।

ट्यूशन शुल्क

संस्थान के एसजीएम द्वारा अनुमोदित फीस संरचना निम्नांकित है :

बी.टेक. फीस संरचना:

Newly admitted B. Tech. 1st year & 2nd year Lateral Entry			2nd year, 3rd year, 4th year		
शुल्क प्रमुख	राशि (रु.)		शुल्क प्रमुख	राशि (रु.)	
	होस्टेलर	नान- होस्टेलर		होस्टेलर	नान- होस्टेलर
ट्यूशन फीस	55,000/-	55,000/-	ट्यूशन फीस	40,000/-	40,000/-
हॉस्टल की फीस	15,000/-	हॉस्टल की फीस	8,725/-
कॉशन मनी	5,000/-*	5,000/-*	कॉशन मनी	-----	-----
एकेटीयू शुल्क	8,200/-	8,200/-	एकेटीयू शुल्क	8,200/-	8,200/-
विकास शुल्क	10,000/-	10,000/-	विकास शुल्क	5,000/-	5,000/-
अन्य शुल्क	15,000/-	15,000/-	अन्य शुल्क	15,000/-	15,000/-
अल्यूमनी पंजीकरण शुल्क	1000/-*	1000/-*	अल्यूमनी पंजी0 शुल्क	-----	-----
मेस चार्ज	30000/-	-----	मेस चार्ज	30000/-	-----
कुल	1,39,200/-	94,200/-	कुल	1,06,925/-	68,200/-

* नए प्रवेश के समय एक बार इन फीस का भुगतान किया जाता है

सत्र की शुरुआत

बीटेक के लिए 04 अगस्त, 2020 से नया सत्र शुरू हुआ। V व VII- सेमेस्टर कक्षाएं और बीटेक प्रथम और तृतीय सेमेस्टर कक्षाएं 24 नवंबर, 2020 से शुरू हुईं

अल्पावधि पाठ्यक्रम :

बी टेक प्रोग्राम के अलावा,आई आई सी टी विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आयोजित करता है, जो कि समाज को एक संपूर्ण सेवा प्रदान करता है। उपरोक्त प्रयास के समन्वय में 1138 व्यक्ति को आईएसडीएस के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है और 3500 कारीगरों को सीएससीडीएस योजना के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

माड्यूलर रोजगार योग्य कौशल (एमईएस) आधारित कौशल विकास कार्यक्रम में कंप्यूटर और आईटी इन कारपेट मैनुफैक्चरिंग, कारपेट और टेक्सटाइल डिजाइन का उपयोग करते हुए सीएडी कालीन, यार्न डाइंग कालीन बुनाई, ऊनी सूत की कताई, कालीन की धुलाई और परिष्करण संस्थान द्वारा चलाया जा रहा है। कौशल अंतर को कम करने के लिए 7000 से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया है।

2. डी0 सी0 डी0 (डिजाइन क्रियेशन एण्ड डेवलपमेण्ट)



IICT PORTFOLIO

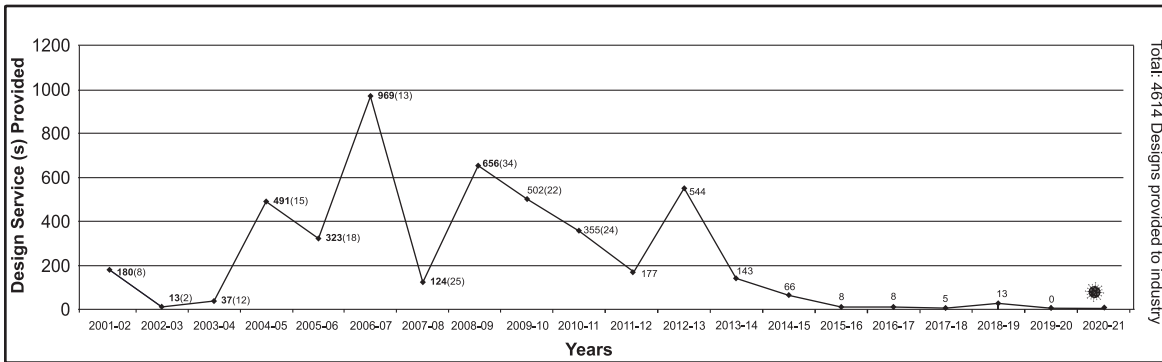
डिजाइन बैंक बनाया गया-

15000 से अधिक डिजाइन ऐसे हैं जिनमें से लगभग 3500 डिजाइनों का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उद्योग द्वारा किया गया है। जिसमें 114 डिजाइन बैंक के तहत बनाए गए हैं डिजाइन बैंक की विविधता में पारंपरिक भारतीय रूपांकनों (जैसे: हड़प्पा, अजंता, मुगल, रंगोली, जयपुरी, फूलकारी, कांथा, पैठानी, कलमकारी, बनारसी, जामेवार आदि), आधुनिक रूपांकनों आदि का चलन है। किस्वी कालीन नमूनाकरण मशीन का उपयोग उद्योग द्वारा "18" x "18" आकार के प्रोटोटाइप नमूने विकसित करने के लिए भी किया जाता है।

बड़े पैमाने पर उद्योग आगे आए हैं और सलाह ली है और स्थानीय मूल्य पर डिजाइन बैंक, रचनात्मकता और वैश्विक मूल्य के विकास से लाभान्वित हुए हैं।

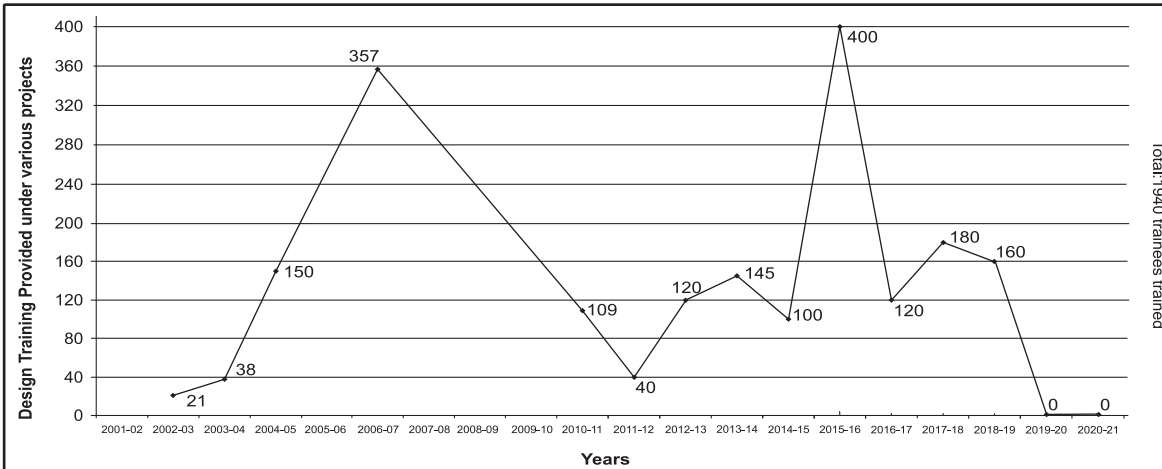
डिजाइन लैब सेवाएँ

(ग्राफिकों प्रस्तुतिकरण बिक्री की गई डिजाइनों पर आधारित है।)



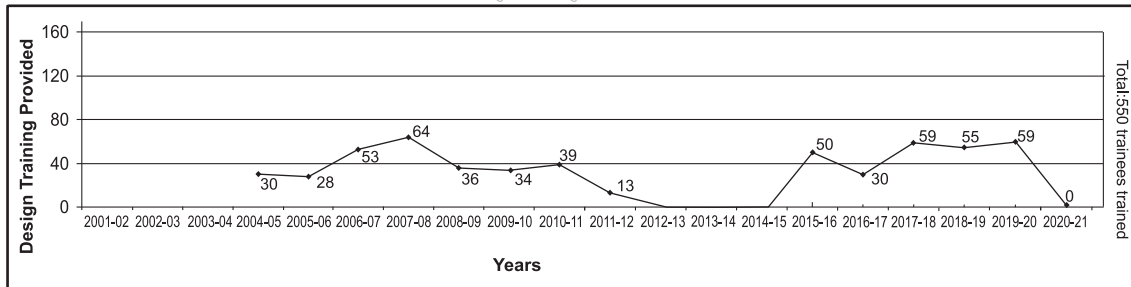
डिजाइन लैब द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षित प्रशिक्ष

(ग्राफिकों प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षणों की संख्या पर आधारित है।)



डिजाइन लैब द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्ष

(ग्राफिकों प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षणों की संख्या पर आधारित है।)



NOVEL APPROACH TOWARDS ENERGY STORING SMART GARMENTS

स्मार्ट टेक्सटाइल के सभी सेंसर, ड्राइव और अन्य इलेक्ट्रॉनिक घटकों में प्रदर्शन करने की शक्ति होनी चाहिए। लेकिन पारंपरिक शक्ति संचयन कठोर हैं और उनकी बड़ी सीमाएँ हैं। समस्या को हल करने के लिए, एक लचीला, हल्का, पोर्टेबल स्टोरेज डिवाइस विकसित करना आवश्यक है। सुपर कैपेसिटर एक उभरता हुआ ऊर्जा भंडारण उपकरण है जिसमें उच्च शक्ति घनत्व, कम चार्जिंग समय, उत्कृष्ट प्रतिवर्तीता और लंबे जीवन चक्र, ऊर्जा संरक्षण और इतने पर है।

उद्देश्य:

फाइबर आधारित सुपर कैपेसिटर विकसित करने का उद्देश्य ऊर्जा का निर्माण करना है। उत्कृष्ट प्रदर्शन को बनाए रखते हुए लचीलेपन के साथ भंडारण प्रणाली। यह आगे पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग किया जा सकता है।

उद्देश्य/लक्ष्य	प्राप्त उद्देश्य/लक्ष्य
1) विविध धातु आक्साइडों का प्रयोग करते हुए कार्बन फाइबर आधारित सुपर कैपेसिटर डिवाइस को फॅब्रिकेट करना।	इलेक्ट्रोड निर्माण के लिए धातु आक्साइडों के विभिन्न आदर्श संयोजन का अध्ययन किया गया।
2) विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से सतह को एक्टिवेट करना।	नैनो आर्किटेक्चर विकसित किये गए एवं हाईड्रोजनमल डिपोजिशन द्वारा सतह को फॅब्रिक सतह पर एक्टिवेट किया गया।
3) नमूनों का विश्लेषण/निरूपण।	विभिन्न विश्लेषण वर्णन यथा: मारफोलॉजिकल एवं इलेक्ट्रो केमिकल व्यवहार आदि किए गये।

भविष्य आउटलुक/लाभ

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के भविष्य में स्ट्रेचेबल सर्किट्री, इम्प्लान्टेबल सेंसर और स्मार्ट स्किन के साथ पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल होने की उम्मीद है। उदाहरण के लिए, एक स्मार्ट त्वचा विभिन्न गतिविधियों और स्थितियों में लोगों का समर्थन करने के लिए मानव शरीर में स्वास्थ्य संबंधी डेटा और शारीरिक संकेतों की निगरानी के लिए आन-बाडी सेंसिंग की पेशकश कर सकती है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, सुपरकैपेसिटर (एससी) ऐसी प्रणालियों के लिए ऊर्जा भंडारण उपकरण हैं। पहनने योग्य उपकरणों के लिए, फाइबर जैसे कैपेसिटर विशेष रूप से उपयुक्त होते हैं।

माना जाता है कि पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में संचार और स्वास्थ्य सेवा, सैनिकों, आपातकालीन कर्मियों, ऊर्जा संचयन आदि सहित क्षेत्रों में काफी संभावनाएँ हैं।

सुरक्षा कारणों से सामान्य सुपरकैपेसिटर और बैटरी कठोर धातु और ध्या प्लास्टिक आवरण के अंदर सील कर दी जाती हैं। इस प्रकार, वे आमतौर पर आकार में बड़े, वजन में भारी और यंत्रवत् रूप से अनम्य होते हैं। इसके विपरीत, छोटे और लचीले प्राकृतिक या सिंथेटिक फाइबर को लंबे 1D यार्न में कटाई करके वस्त्रों का निर्माण किया जाता है, और यार्न को आगे 2D / 3D वस्त्रों में बुना या बुना जाता है। अधिकांश वस्त्र अत्यधिक लचीले होते हैं और झुकने या खिंचने के बाद आसानी से ठीक हो सकते हैं, वजन भी तुलनात्मक रूप से कम होता है।

क. उत्पाद विकास

काफी कुछ उत्पाद विकास गतिविधियों को संस्थागत स्तर पर और सहयोग से पूरा किया गया है जिसमें शामिल हैं:

- क्वायर आधारित कालीन
- रेशम का कालीन
- एरी रेशम कालीन
- मोडार्कॉटिक आधारित कालीन
- हस्तनिर्मित एस्ट्रोटेफ प्रकार का कालीन
- प्राकृतिक फाइबर आधारित कालीन
- प्राकृतिक रंगाई
- पालिएस्टर सैगी के लिए विकल्प
- बुजबुन उत्थान
- वर्टिकल ब्लाइंड
- क्वायर पेपर और क्वायर सिल्क

कोरल का क्वायर बोर्ड, कोच्चि के सीसीआरआई, एलेप्पी द्वारा समर्थित एक और क्रांतिकारी अनुसंधान, क्वायर सिल्क के लिए जारी है। प्रतिष्ठित रेयान विनिर्माण सह के साथ वाणिज्यिक स्टेज परीक्षण। (ग्रासिम एंड सेंचुरी रेयान) ने चलाया जा रहा है। मूल्य वृद्धि से नारियल उत्पादकों को फायदा होगा और देश के कोरल, तमिलनाडु जैसे नारियल उत्पादन गहन राज्यों में क्वायर पेपर और क्वायर सिल्क उत्पादन के लिए औद्योगीकरण का समर्थन किया जाएगा।
- मेक इन इंडिया मिशन के पूरक पर एक मालिकाना कदम - उद्योग को आगे आने और तलाशने के लिए।

• पीपीई कवरआल

(बाडी सूट और शू कवर)

पीपीई कवरआल (बाडी सूट और शू कवर) दो श्रेणियों में विकसित हुए- डिस्पोजेबल (280 ग्राम) और पुनः प्रयोज्य (300 एनएम)। इसे टेक्नो-केम इंस्ट्रीज के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। डिस्पोजेबल के मामले में और पुनः प्रयोज्य पीपीई कवरआल में पालिएस्टर पर नानोवोवेन कपड़े पर एक विशेष कोटिंग किया जाता है। अब तक विकसित पीपीई सूट सांस लेने योग्य नहीं हैं। इसलिए वे सहज नहीं हैं। नव विकसित उत्पाद श्वसन योग्य और हल्के वजन के हैं, इसलिए आरामदायक हैं। यह MoHFW की कठोर आवश्यकता को पूरा करता है और इसलिए डाक्टरों, नर्सों और अन्य पैरा मेडिकल स्टाफ के लिए सिफारिश की जाती है।



Disposable



Reusable

• रेशेदार कचरे का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग कालीन उद्योग

कालीन उद्योग के अपशिष्ट में ऊन, जूट, पालिएस्टर, नायलान आदि जैसे फाइबर शामिल होते हैं। ज्यादातर अपशिष्ट फाइबर को जमीन भरने में भेज दिया जाता है, जो मिट्टी के प्रदूषण को बढ़ाता है। इन अपशिष्ट तंतुओं को पुनर्नवीनीकरण किया जा



सकता है और कई तकनीकी रेशेदार संरचनाओं को विकसित करने के लिए पुनः उपयोग किया जा सकता है। कालीन अपशिष्ट के साथ अभिनव उत्पाद की खोज में, कालीन अपशिष्ट और असंतृप्त पालिएस्टर राल के साथ हाथ से छंटनी तकनीक द्वारा मिश्रित सामग्री तैयार की गई थी। फाइबर और मैट्रिक्स का अनुपात विभिन्न उपयोग, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदल दिया गया था। संस्थान ने दो उत्पाद विकसित किए। जब मैट्रिक्स प्रतिशत को समग्र में उच्च रखा गया था, तो उत्पाद को लकड़ी के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग किया गया था। इसी तरह, जब कंपोजिट में फाइबर का प्रतिशत अधिक रखा जाता था, तो उत्पाद को ध्वनिक सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

• अपशिष्ट कालीन से हीलिंग पैड का निर्माण और मूल्यांकन

अपशिष्ट ऊलेन हैन्ड नॉटेड और हैन्ड टफ्टेड, सभी 100 ऊनी फाइबर से बने विद्युत रूप से प्रवाहकीय द्वारा बनाया गया था। पॉलीमराइजेशन रिएक्शन होने से पहले, हस्तनिर्मित और हाथ से बने टफ्टेड कालीनों की हाइड्रालिसिस सामग्री पर पालीपाइरोल के बेहतर चित्रण के लिए की गई थी। हैन्ड नाटेड और हैन्ड टफ्टेड कार्पेट के लिए क्रमशः सतह की औसत प्रतिरोधकता 1013.08 और 1234.12 माइक्रोन पाइ गई है। यह पीठ दर्द से पीड़ित लोगों के लिए हीलिंग पैड के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।



- हस्त निर्मित कालीन में जूट सामग्री का प्रयोग

इस शोध में, फ़ारसी हाथ से बने कालीन और पाईल कालीन में जूट के ढेर के प्रयोग पर एक अध्ययन किया गया है। हस्त निर्मित कालीनों में पाईल यार्न के रूप में तीन प्रकार के वाणिज्यिक यार्न (ऊन, अनुपचारित जूट और वूलोनाइज्ड जूट) के साथ-साथ तीन प्रकार के रासायनिक उपचारित जूट यार्न (हाइड्रोजन पेरोक्साइड ब्लिच, नरम ब्लिच और वूलैनिन यार्न) लगाए गए हैं। हस्तनिर्मित कालीनों के लागत लाभ विश्लेषण से पता चलता है कि जूट यार्न को ढेर के रूप में उपयोग किए जाने पर कुल लागत का सामग्री योगदान घट जाता है।



रवः प्रौद्योगिकी उन्नयन

कालीन उद्योगों में उपयोग की जा रही तकनीक को ग्रेड देने के लिए आई आई सी टी द्वारा द्वारा सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ये हैं :-

- एर्गोनोमिक और लचीले की अवधारणा टपिंग फ्रेम
- क्रॉस बार हारिजॉन्टल लूम CBHL (लकड़ी) या मेटल का) हैंड नाटेड और तिब्बती, झाबरा, सौमक आदि।



Weavers enjoying the comfort while working in CBHL

- **इंडिया नाट** : आई. आई. सी. टी. का एक कापी राइट जो करघे पर सेमी नॉट लगाने की अनुमति देता है। मेक इन इंडिया मिशन का पूरक है। उद्योग आगे आने और तलाशने के लिए।



• स्नेहाभा कार्पेट बैंकिंग सिस्टम:-

पालीमर बैंकिंग टेक्नोलॉजी लाइट वेट वाशेबुल रिपोर्टेड इट्स फीचर एण्ड फिजिबिलिटी इन पब्लिकेशन्स लाइक कार्पेट इ वर्ल्ड



• कार्प कार्स्ट साफ्टवेयर

संस्थान द्वारा नकल रहित कार्पकार्स्ट का विकास किया गया है। जो कि सी० डी० के रूप में हस्तनिर्मित कालीनों की लागत गणना के लिए प्रयोग हेतु उपलब्ध है। साफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने के कार्य में संस्थान लगा हुआ है एवं उद्योगों के सहयोग मद्देनजर साफ्टवेयर की कीमत रु२५,०००/- से घटाकर रु५०००/- कर दिया गया है।



कन्टिन्युअस टपिंग फ्रेम

टपेटेड कार्पेट के लिये उपयुक्त

यह एक मैनुअल टपिंग प्रक्रिया है। जिसे हथ से संचालित या इलेक्ट्रिक टपिंग गन का उपयोग कर बड़ी लंबाई के लिए, कन्टिन्युअस कालीन डिजाइन रिपीट के लिए है।

इसमें विशेषताएं हैं जैसे कि:

- आरामदायक काम के माहौल के साथ फ्रेम की एरगोनॉमिक डिजाइन
- इसमें प्राइमरी बैकिंग क्लॉथ की एक रोलर द्वारा लगातार आपूर्ति की जाती है।
- बैकिंग क्लॉथ गाइड के लिए स्पाइक चेन डिवाइस का चौड़ाई के साथ विस्तार
- क्लॉथ रोलर से हेल्ड व्हील द्वारा बैकिंग क्लॉथ का लम्बवत विचांब
- ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करके एक साथ डिजाइन मुद्रण या ब्लाक प्रिंटिंग का वैकल्पिक उपयोग।
- माथमिक नेट के साथ एक साथ लेटेक्स बैकिंग।
- सौर इन्वर्टर द्वारा गर्म हवा से सुखाने वाली पुणाली (वैकल्पिक)।
- 200 फुट लंबाई तक क्षमता के साथ कालीन पुमादावर रोलर।
- कालीन उत्पादन की बेहतर गुणवत्ता लगभग प्रति 200 वर्ग इंच प्रति घंटे प्रति बुनकर



मैकेनाइज्ड दरी लूम

फ्लोरल डिजाइन की दरी बिनाइ के लिए उपयुक्त

मशीन की विशेषताएं:

हस्तनिर्मित कालीन बुनाई के लिए यह ऊर्ध्वाधर दरी हेतु यह एक बेहतर कालीन डिजाइन करता है।

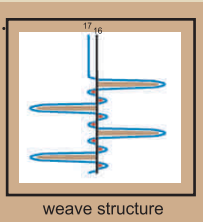
- वाइलिंग बाँबिन से हैक के लिए व्यवस्था
- आरामदायक कमरे के माहौल में बड़ी लंबाई की वापिंग की व्यवस्था
- तीन फिट के गुणक चौड़ाई में डिजाइन की बुनाई के लिए मैकेनिकल जैकार्ड
- धागे से धागे के बीच का अन्तर और सटीक चौड़ाई समायोजन
- पंजा से बढ़िया टुकार्ड के लिए पूरी चौड़ाई
- कालीन रोलर पर ज्यादा लपेटने की क्षमता
- एरगोनॉमिक डिजाइन से बुनकरों को थकान से राहत।



लीनो कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

यह लिनो संरचना के साथ पाइल कालीन का एक ब्राड लूम है। बेहतर टपट विद्यझवल फोर्स के लिए खड़ी संरचना। कलर स्ट्राइप्स, छोरों की क्षैतिज पंक्ति के कट या लूप, उत्पादन के बाद एम्बॉसिंग या प्रिंटिंग लिनो कालीनों पर डिजाइन तकनीक भारत में कालीन क्षेत्र के लिए हस्तनिर्मित कालीन को फिर से स्थापित करना है



जैकार्ड कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त



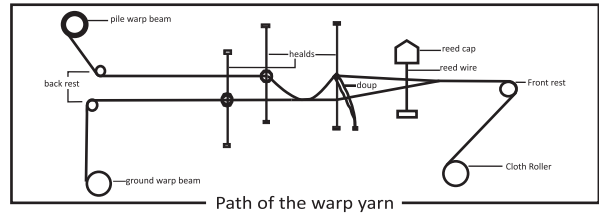
विशेषताएं।

यह फ्लोरल पाइल कालीन डिजाइनों के लिए हथकरघा हेतु एक विकास है।

- पाइल कालीन में लूप / कट संरचना हेतु 2, 3, 4 या 5 रंगों की डिजाइन के लिए उपयुक्त
- इसमें मैकेनिकल जैकार्ड द्वारा नियंत्रित तानी का शेड द्वारा तानी सम्मिलन करके पाइल बनाई गई हैं
- प्रत्येक रंग पाइल यार्न के लिए 200 क्रील क्षमता।
- सूती तानी बीम से हेल्ड शाफ्ट द्वारा नियंत्रित होते हैं
- जैकवार्ड और हेल्ड शाफ्ट के लिए शेडिंग पांव द्वारा पैडल संचालित।
- वेप्ट पिकिंग के लिए शटल हथ द्वारा संचालित।
- 36 इंच चौड़ाई के लिए 6 पाइल प्रति इंच के लिए बनाया गया है
- कालीन, 3-4 एनएम ऊनी पाइल यार्न के लिए उपयुक्त।
- मैनुअल कट प्लेट का उपयोग करके कार्ड काटने के अंतर्हीन डिजाइन तैयार किए जाते हैं।
- बुनित कालीन के विभिन्न गुणवत्ता हेतु पाइल का उत्पादन विभिन्न मोटाई के तारों 1/4 से 3/4 इंच द्वारा
- दूरदराज के प्राकृतिक गांवों में छोटे बुनकरों के लिए हस्तकला तकनीक है

टेरी लेनो पाइल संरचना

में बुने कालीन का विकास

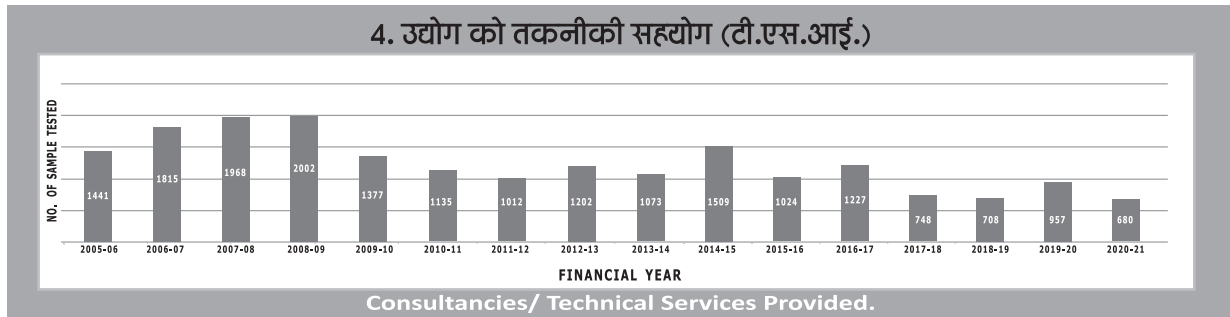


विशेषताएं

- हथकरघा पर तैयार कालीन।
- इस विशेष हथकरघा में टेरी और लिनो की दोनों तकनीकों हैं।
- लॉट टपट विद्यझवल फोर्स, टेरी-लिनो प्रौद्योगिकी के साथ निर्मित कालीन में हैं
- कट पाइल और लूप पाइल दोनों प्रकार के कालीन तैयार किए जा सकते हैं।

आई आई सी टी प्रयोगशाला

संस्थान वैश्विक बाजार के साथ अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए यांत्रिक और रसायन के विषयों में अपनी प्रयोगशाला के माध्यम से उद्योग को निरंतर तकनीकी सेवाएं प्रदान कर रहा है। ये प्रयोगशालाएँ एनएबीएल से मान्यता प्राप्त हैं इसलिए परीक्षण रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य हैं। कालीन उद्योग ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खरीदारों की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग किया है। कुल आय अर्जित करने के साथ आई आई सी टी प्रयोगशाला द्वारा कुल 680 नमूनों का परीक्षण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान ₹.5,35,200 / राजस्व अर्जित किया गया। उद्योग अपने व्यावसायिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए परामर्श के लिए आई आई सी टी के विशेषज्ञों की की सेवा ले सकते हैं।



कालीन बन्धु सदस्यों की सूची (31.03.2021 तक)

1. में0 भोला नाथ इण्टरनेशनल, वाराणसी।
2. में0 सहारा कस्तूरी हैण्डिकापट्स, लखनऊ।
3. में0 जया श्री टेक्सटाइल्स, रिसरा।
4. में0 टैग ब्रदर्स, नई दिल्ली।
5. में0 ए0बी0सी0 इण्डस्ट्रीज, मीरजापुर।
6. में0 पीयरलेस कारपेट पैलेस, भदोही।
7. में0 जी0 एस0 एल0 टेक्सटाइल इन्डिया प्रा0 लि0, लुधियाना।
8. में0 कान्सेप्ट क्रिएशन्स, पानीपत।
9. में0 ग्लोस्टर जूट मिल्स लि0 कोलकाता।
10. में0 जयपुर रग्स कं0 प्रा0 लि0, जयपुर।
11. में0 पटौदिया एक्सपोर्ट्स, भदोही।
12. में0 एन्टीक आर्ट एक्सपोर्ट्स प्रा0 लि0, नोएडा।
13. में0 समारा कारपेट्स (प्रा0) लि0
14. में0 वेलोसिटी यार्न (प्रा0) लि0 (एसोसिएट सदस्य)
15. में0 चम्पो कारपेट्स, भदोही।
16. में0 कलरटेक इण्डस्ट्रीज (प्रा0) लि0
17. में0 काका कारपेट्स, भदोही।

नोट : 1 व 13 आजीवन सदस्य हैं।

- ❖ संस्थान ने योग्य एवं रुचि रखने वाले उद्योगो /व्यक्तियों को संस्थान का सदस्य बनाने हेतु 'कालीन बन्धु' मंच तैयार किया है। कोई भी इसका आजीवन अथवा सहयोगी सदस्यता कमशः ₹0 50,000/- अथवा ₹0 4,000/- देकर पा सकता है।

अन्य

- ♦ प्राकृतिक रेशो द्वारा निर्मित जमीन आवरण कालीन
- ♦ प्राकृतिक रंगो का अनुप्रयोग
- ♦ उत्पाद/कार्य विविधिकरण

इच्छुक व्यक्ति/समूह विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें।

आई आई सी टी : मानव संसाधन एवं विकास, डिजाइन रचना एवं विकास, अनुसंधान एवं विकास, मार्केटिंग, एवं तकनीकी विकास योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं में भी शामिल हैं, योजनाओं को कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएं चल रही हैं।

संस्थान में चल रही परियोजनाओं का विवरण (सरकार द्वारा प्रायोजित)

क्रम स.	परियोजना का नाम	संदर्भ व अनुमोदन की तिथि /परियोजना की लागत रु./द्वारा समन्वित	योजना /फंड की स्थिति
IICT-1	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर (पूर्व) कालीन पट्टी में,	I-15011/9(1)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	50% received
IICT-2	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (श्री कोटायात)	I-15011/9(2)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	grant has been
IICT-3	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर, कालीन बेल्ट, (लोन करणसर)	I-15011/9(3)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	refunded to O/o
IICT-4	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर, कालीन बेल्ट, (नोवा)	I-15011/9(4)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	DC (HC) due non
IICT-5	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर, कालीन बेल्ट, (खाजूवाला)	I-15011/9(5)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	completion of
IICT-6	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर (पश्चिम), कालीन बेल्ट.	I-15011/9(7)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	project under
IICT-7	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (मीनासर)	I-15011/9(6)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1554 dt. 15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	various project
IICT-8	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (गंगाशहर)	I-15011/9(8)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1543 dt. 15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	
IICT-9	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (बंगालनगर)	I-15011/9(9)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1575 dt. 15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	
IICT-10	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (कानिसार)	I-15011/9(10)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1565 dt.15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-11	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण पंचखेड़ा बलरामपुर (एसटी कारीगरों) में कार्यक्रम	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19 dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-12	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम पंचखेड़ा बलरामपुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-I dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-13	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम तुलसीपुर बलरामपुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-II dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-14	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम तुलसीपुर बलरामपुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-III dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-15	श्रावस्ती बलरामपुर (एसटी कारीगरों) में एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-IV dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-16	श्रावस्ती बलरामपुर (एसटी कारीगरों) में एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-V dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-18	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम रोहतक हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(16)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19 dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-14	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम जींद हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(16)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19 dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-19	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम भिवानी, हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(16)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19-VI, dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-20	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम मेहम, जींद, हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(21)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19, dt. 22.02.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-21	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम जुलान, भिवानी, हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(22)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19, dt. 22.02.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-22	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम मिदल, रोहतक, हरियाणा (एससी कारीगर)	I-15011/9(23)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19, dt. 22.02.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	HRD/50% fund received
IICT-23	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम पादरी, मिर्जापुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(18)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	50% received
IICT-24	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम उरखा, मिर्जापुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(19)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	grant has been
IICT-25	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम औबरा, सोनभद्र (एसटी कारीगर)	I-15011/9(20)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	refunded to O/o
IICT-26	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम जंगीगंज, भदोही (ST कारीगर)	I-15011/9(21)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	DC (HC) due non
IICT-27	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम खमरिया, भदोही (एसटी कारीगर)	I-15011/9(22)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	completion of
IICT-28	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम चोपन, सोनभद्र (एसटी कारीगर)	I-15011/9(23)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	project under
IICT-29	डिजाइन और क्राफ्ट स्कूल की स्थापना (आडियो. विजुअल माडर्न लैंग्वेज लैब)	C-11011/27/DCS/IICT(UP)/2018-19/ Infra dt. 25.03.2018 Rs. 14.90 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	various project
IICT-30	IICT, भदोही में डिजाइन बैंक की स्थापना	C-11011/28/DB/IICT(UP)/2018-19/ Infra dt. 25.03.2018 Rs. 14.90 Lakhs, Dr. S.K.Pandey.	Infrastructure & Tech. Support

अद्यतन नियुक्ति (प्लेसमेंट अपडेट)

नियुक्ति संचालन हमारे संस्थान का एक अभिन्न अंग है, क्योंकि यह छात्रों को प्रसि और सम्मानित संगठनों में रोजगार पाने के अवसरों को प्रदान करता है। संस्थान ने अपनी भर्ती प्रक्रिया 2020-21 के सितम्बर माह में प्रारम्भ की थी। अंतः परिसर भर्ती जिसमें वेलस्पन हैदराबाद, ओबीटी, गोपीगंज, आचल अमित एण्ड कं०, आगरा, डोडिया सिंघेटिक्स, वापी, ट्राईडेंट, बुधनी, एमपी, मराल ओवरसीज, ईदौर आदि सम्मिलित थे। इस वर्ष 43 छात्रों के लिए 46 ऑफर आए। 4 छात्रों को कई नौकरियां व अवसर मिले।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में आई0आई0सी0टी0 के निवर्तमान छात्रों का अद्यतन नियुक्ति

उद्योग- नियुक्ति उद्योग का नाम/ छात्रों की संख्या	ब. उच्च शिक्षा/ स्वरोजगार
छात्रों की कुल संख्या :43 अब तक नियुक्त :43 (जाब व उच्च शिक्षा)	
वेलस्पन हैदराबाद : 1 ओबीटी प्रा० लि० : 9 कुसुमगार, वापी : 1 मराल ओवरसीज, ईदौर : 2 आचल अमित एण्ड कं०, आगरा : 12 के आर एम रग्स्, वाराणसी : 1 डोनियर, वापी : 1 ट्राईडेंट, बुधनी, एमपी : 4 डोडिया सिंघेटिक्स वापी : 8 अहमद रग्स् : 1 चम्पो कारपेट्स्, भदोही : 1 जय केमिकल्स अहमदाबाद : 1 आर एस डब्ल्यू एम, भीलवाडा : 1	आई0आई0टी० दिल्ली, 2 एन०आई0टी० दुर्गापुर 1 स्व नियोजित 1

आई आई सी टी-भदोही का 'संस्थान दिवस' सम्पन्न

आई आई सी टी-भदोही का बीसवां 'संस्थान दिवस' दिनांक 01/11/2020 को दूरस्थ माध्यम से सम्पन्न हो गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री शांतमनु, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) व अध्यक्ष आई आई सी टी ने संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में हुए निपट के साथ करार के बाद आई आई सी टी निकट भविष्य में कालीन की " डिजाइन इन्क्यूबेशन एवं डेवलपमेंट" के लिए कार्य करेगा। कालीन परीक्षण सुविधाओं के विकास के लिए भी जल्द ही विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) द्वारा आर्थिक सहयोग दिया जाएगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए श्री सिद्धनाथ सिंह, चेयरमैन सी. ई. पी. सी. ने कहा कि विगत वर्षों में संस्थान द्वारा कालीन उद्योग के क्षेत्र में दिया गया योगदान सराहनीय है। संस्थान व उद्योग जगत के बीच नजदीकियां एक उज्ज्वल भारत के विकास का संकेत है। समारोह में भाग लेते हुए श्री मलय मजुमदार, सीनियर प्रेसीडेंट, ओ बी टी प्रा0 लि0 ने बताया कि संस्थान से उत्तीर्ण छात्र कालीन जगत में अत्यंत प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व छात्रों में श्री हर्षित निगम, श्री निशांत वर्मा, श्री मुकेश कुमार एवं सुश्री आमरीन फातिमा, ने भी दूरस्थ माध्यम से अपनी सहभागिता की। संस्थान के निदेशक डा0 आलोक कुमार ने विगत वर्षों में संस्थान द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। संस्थान के छात्रों शशांक शेखर एवं शिखा मिश्रा के अतिरिक्त लगभग 100 छात्रों ने शिरकत की। कार्यक्रम का संयोजन डा. बेट्टी दासगुप्ता, डा. अणु मिश्र, डा. श्रवण गुप्ता, डा. एच. एस. मोहापात्रा, श्री जयंत देशपांडे, डा. अतानु मान्ना, व दपर्ण सिंह आदि ने किया। संचालन डा. मोमिता बेरा तथा आभार डा. आर. के. मलिक ने किया। संस्थान के कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री रवि पटौदिया, श्री ओंकार नाथ मिश्र, श्री महेश दूबे इत्यादि उपस्थित थे।



संस्थान दिवस

"शरीर एवं मन को निरोगी रखने के लिए सुदर्शन क्रिया का अभ्यास आवश्यक"

प्राणी मात्र जन्म लेने के साथ ही श्वास लेना प्रारम्भ कर देता है व सुदर्शन क्रिया श्वास लेने की एक लयबद्ध तकनीक है, जिसके द्वारा शरीर, मन एवं भावनाओं के बीच एक सहज तारतम्य स्थापित किया जा सकता है व सुदर्शन क्रिया शरीर से तनाव, थकान, क्रोध, निराशा, अवसाद इत्यादि नकारात्मक भावों को हटाकर हमें ऊर्जा प्रदान करती है। ये विचार आइ. आइ.सी.टी., भदोही में नव प्रवेशित छात्रों के लिए आयोजित चार दिवसीय इंडकेशन कार्यक्रम के अंतर्गत व्यक्त किये गए। इस अवसर पर दूरस्थ माध्यम से कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार एवं आइ.आइ.सी.टी., भदोही के चेयरमैन श्री शांतमनु ने कहा कि सुदर्शन क्रिया का नियमित अभ्यास हमारे शरीर को निरोगी तो बनाता ही है, साथ ही हमारे मन एवं चित्त को स्वस्थ एवं प्रसन्न भी रखता है व इसके अतिरिक्त जब हम किसी परिस्थिति विशेष अथवा व्यक्ति विशेष को बिना किसी पूर्वांगह के सहज ही स्वीकार कर लेते हैं तब भी हमारे जीवन में सुख एवं शांति की निरंतरता बनी रहती है,

आर्ट आफ़ लिविंग से सम्बद्ध वरिष्ठ प्रशिक्षिका श्रीमती अरुणिमा सिन्हा, दिल्ली के निर्देशन में छात्रों को योग की इस विशेष विधा की गहराई से जानकारी दी गयी, श्रीमती अरुणिमा सिन्हा ने बताया कि हमें अपनी आवश्यकताएं कम रखते हुए अधिक से अधिक ज़िम्मेदारियां लेने के लिए तत्पर रहना चाहिए तभी हम मानव समाज के विकास में सहायक सिद्ध हो सकेंगे, ज्ञात हो कि आइ.आइ.सी.टी., भदोही का एक मेमोरेंडम आफ़ अंडर स्टैंडिंग (एम.ओ.यू.), आर्ट आफ़ लिविंग इन्टरनेशनल सेंटर बंगलौर के साथ दो वर्ष पूर्व हुआ था, इसी एम.ओ.यू. के तहत लगभग 80 छात्रों एवं शिक्षकों ने निदेशक डा. अलोक कुमार के साथ इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया व कार्यक्रम का संयोजन डा. हिमांशु महापात्रा ने किया।



विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) श्री शांतमनु एवं श्रीमती अरुणिमा सिन्हा दूरस्थ माध्यम से सुदर्शन क्रिया के महत्व को बताते हुए

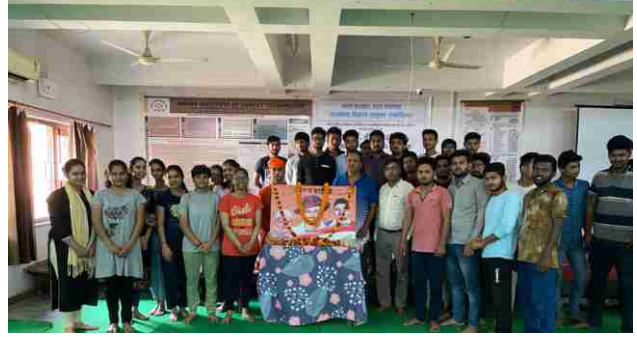


निदेशक डा0 आलोक कुमार, छात्रों व संस्थान के स्टाफ के साथ सुदर्शन क्रिया करते हुए।

अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस

आई आई सी टी में मनाया गया शहीद दिवस

भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान भदोही में शहीद दिवस पर शहीदों के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री आलोक कुमार ने भगत सिंह राजगुरु एवं सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए कहा कि इन शहीदों के बलिदान के कारण ही हम स्वतंत्र हैं। वो महान क्रांतिकारी अपनी छोटी सी उम्र में बलिदान देकर इतिहास में अमर हो गए। उन्होंने कहा कि इनके जीवन का मकसद भारत को आजाद कराकर स्वनिर्मित शासन स्थापित करके लोगों को गरीबी से, भुखमरी से गुलामी से बाहर निकलना था इस अवसर पर पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी संदेश योगी ने कहा कि भगत सिंह ``कहा करते थे जीवन भले लंबा ना हो लेकिन बड़ा होना चाहिए `` और यह इन क्रांतिकारियों ने छोटी सी उम्र में बलिदान देकर इसको साबित भी कर दिया वह इतिहास में अमर हो गए इस अवसर पर संस्थान के सहायक प्रोफेसर अनु मिश्रा जी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए हमें बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है, ऐसे में हमें इसको महत्व को समझने की आवश्यकता है आज के दिन इन क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है, इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र छात्राओं ने बारी बारी से इन क्रांतिकारियों के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये और नमन किया इस अवसर पर माधव सिंह , प्रद्युम्न ,अलसफा ,शिवानी सालवी तिवारी, दीपक , ओम प्रकाश ,अभिषेक ,आलोक राजेश, सुमन माही, सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने विचार रखे।



भाका प्रौ सं

संस्थान में पधारे आगन्तुक

2020-21 के दौरान कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हमारे संस्थान का दौरा किया। और प्रबुद्ध संकाय, स्टाफ के सदस्य और छात्र।

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
6/8/2020	Nelson Solomon NORON BEJO	Visited ICT and this has been an extremely educative trip. Extremely supportive. -- Team and shared various information for the enhancement of the industry. Nelson
6/10/2020	Amitava Chowdhury NIFT, Raebareilly	Very good infrastructure & good serene atmosphere would definitely be beneficial to the students studying here to attain their fullest potential. Amitava
6/10/2020	Dr. Bharat Sah Director NIFT RBL.	Visited the entire campus well equipped lab & class room. Excellent atmosphere & very well planned. Good interaction with Director and faculty team. Overall impressive.
8/2/2021	Naveen Swane Nabar Home Bikaner NAVKAR	Thanks for this wonderful lab visit. Today this Institute has to become a force for the industry by providing skill workers. The BTECH persons have been a great support of the growth of the industry.
29/7/21	Neeraj Kumar Anya DFO Bhadohi	ICT is doing very good job for encouraging weaver. All the best for future. Anya
30.7.21	Aryake Achary DM, Bhadohi	It is a matter of great pride that Bhadohi boasts of its own institute of carpet technology. Amazed to see the intricacies of technology behind carpet manufacturing. My best wishes for all future endeavors of ICT. Aryake

भाका प्रौ सं

संस्थान में पधारे आगन्तुक

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
18/9/21	भानु प्रताप सिंह वर्मा Minister of State, MSME Gov. of India,	I.I.C.T. अपने आप में एक कुव्वीप संस्कार है जो Job creation हेतु समस्त उच्च कोटि का संस्कार है/संस्कार के सच्ची सुधिमरिपो, D.C. जेफरसन लकी प्रोफेसरो की प्रुअभुअनाए डि के इसी प्रकार रोजगार के सुवसर डिजाइन व लक्ष्मी उन्नयन के डाय करव रहेंगे 18.9.2021
18.08.21	PRABHAKAR TRIPATHY DIG, CRPP AMETHI	Visited Indian Institute of Carpet technology today. It's an state of art- exhibition working very efficiently under able guidance of Sh. ALOK Kumar, Director. faculties are very knowledgeable. I wish them my best wishes. 18/08/21